Prof. Khushbu Kumari
Guest Teacher
Dept of Political Science
V.S.J. College, Rajnagar, Madhubani, Lnmu

Class - B.A - 2 (Subsidiary)
Date - 5th April, 2021

Topic — संविधानवाद

Lecture-1

उदारवादी लोकतंत्र वर्तमान समय की सबसे अधिक लोकप्रिय और सबसे अधिक मान्य राजनीतिक व्यवस्था है तथा विधि का शासन और संविधानवाद उदारवादी लोकतंत्र के साथ सबसे अधिक घनिष्ठ रूप में जुड़ी हुई स्थितियां हैं। संविधानवाद का एक शब्द में अर्थ है — विधि से शासित राज्य या सीमित शक्तियों वाला शासन।

अरस्तू के समय से लेकर आज तक राज्यों और सरकारों का अनेक रूपों में वर्गीकरण किया

09 SAT 130-236
10 SUN

जाता रहा है लेकिन आज यथार्थवादी दृष्टिकोण के आधार पर राजव्यवस्था का अध्ययन करने वाले व्यक्ति इस बात पर बल देते हैं कि मूल रूप में तो राज्य और सरकार के केवल दो ही रूप होते हैं — (1) व्यक्ति के शासन वाला राज्य और (2) विधि के शासन वाले राज्य। जिस राज्य में व्यक्ति का नहीं, बल्कि विधि का शासन हो शासक और शासित दोनों ही विधि के अधीन हो शासक वर्ग को मनमाना आचरण करने की स्थिति प्राप्त न हो, संविधानवादी शासन का मूल तत्व यही है।

प्राचीन भारत के राजनीतिक चिन्तन और यूनानी राजनीतिक चिन्तन से लेकर आज के युग तक अधिकांश विचारकों और दार्शनिकों ने इस बात का प्रतिपादन किया है कि व्यक्ति के शासन की तुलना में विधि का शासन ही श्रेष्ठ स्थिति है।

संविधानवाद शासन और नागरिक के संबंधों को ऐसे ढंग से निर्धारित करता है कि शासन सत्ता नागरिक के लिए आतंक का विषय न बन जाय। संविधानवाद केवल उसी राजनीतिक व्यवस्था में सम्भव है जहाँ संविधान हो और इस संविधान द्वारा राजनीतिक शक्ति के प्रयोगकर्ताओं की न केवल भूमिका निर्धारित की जाये, अपितु

2020
Mo Tu We Th Fr Sa
1 2 3 4 5 6
7 8 9 10 11 12 13
14 15 16 17 18 19 20
21 22 23 24 25 26 27
28 29 30

Shot on Y15

Scanned with CamScanner

May 2021

13 WED 134-232

इस भूमिका की आवश्यकता की माँग की जाय अर्थात् व्यवस्था सरकार संविधान की व्यवस्था पर अनुरूप ही संचालित हो और इस व्यवहार में सम्भव बनाने के लिए संवैधानिक नियंत्रण व प्रतिबंधों की प्रभावशाली व्यवस्था हो। सीधे सादे शब्दों में संविधानवाद का आशय है 'सीमित शक्तियों वाला शासन'।

पिनॉक और स्मिथ के अनुसार, "संविधानवाद केवल प्रक्रिया और तथ्य का नाम ही नहीं है, वरन् यह राजनीति के शासन के समूह को प्रभावशाली नियंत्रण भी है एवं प्राचीन परम्पराओं तथा भविष्य की आशाओं का प्रतीक भी है"

14 THU 135-231

Scanned with CamScanner